Justification

जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड मोरी मे सौड़ से ओसला मोटर मार्ग (लम्बाई 28.100) किमी0 की स्वीकृति प्राप्त है। उक्त मोटर मार्ग मुख्य मार्ग (सौड़ नामक स्थान) से प्रारम्भ होकर ओसला तक पहुंचती है। किन्तु सौड़ से तालुका तक लभगभ 8.50 किमी0 की लम्बाई में मोटर मार्ग पूर्व मे वन विभाग द्वारा निर्मित है जिस हेतु मोटर मार्ग का मुख्य पहाड़ कटान कार्य तालुका नामक स्थान से प्रारम्भ किया जाना है। उक्त स्थान से मोटर मार्ग समरेखण हेतु कार्य स्थल की आवश्यकतानुसार अन्य कोई वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नही है। क्योंकि यह क्षेत्र लगभग गोविन्द वन्य जीव विहार/राष्ट्रीय पार्क के सीमा के अन्तर्गत आता है। जिस हेतु भू–वैज्ञानिक एंव तकनीकी सुझावों के अनुसार ही समरेखण स्वीकृत किया गया है। जिसमें की कम से कम वन भूमि का क्षेत्र प्रभावित हो रही है। जो कि मोटर मार्ग के संलग्न डिजिटल टोपोसीट से स्पष्ट है। इस प्रकार अन्य कोई वैकल्पिक भूमि उपलब्ध न होने के कारण मोटर मार्ग कार्यस्थलनुसार एवं तकनीकी दृष्टि से वनभूमि क्षेत्र के अन्तर्गत आ रहा है। यह क्षेत्र विकास खण्डमोरी के सुदूरवर्ती ग्राम क्रमशः ओसला (जनसंख्या–725) पवाणी (239), गंगाड (535) ढाटमीर (809) आजादी के 72 साल बाद भी सड़क मार्ग से वंचित है । किन्तु सौड़ से तालुका तक 8.50 किमी0 लम्बाई में वन विभाग का जीप मार्ग निर्मित है जो कि वर्ष में कुछ माह ही यातायात योग्य रहता है बरसात एवं बर्फवारी के दौरान यह मार्ग बन्द हो जाता है वर्ष भर मोटरमार्ग के सुगम आवागमन हेतु सौड़ से तालुका जीप मार्ग को भी मोटर मार्ग में उच्चीकरण किया जाना अति आवश्यक है। किन्तु तत्पश्चात वर्तमान तक भी ग्राम ओसला, तालुका से लगभग 15 किमी0 से भी अधिक पैदल दूरी पर स्थित है। इसी क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल हरकीदून स्थित है मोटर मार्ग निर्माण के पश्चात् ग्रामीण कम ढुलानदरों पर अपनी नगदी फसलों को नजदीकी मण्डियों तक विपणन हेतु पहुंचा सकेगें। जिससे क्षेत्र का आर्थिक एवं सामाजिक विकास होगा एवं साथ ही शासन, प्रशासन द्वारा आम जनता हेतु प्रदत्त मूलभूत सुविधायें जैसे चिकित्सा, स्वास्थ्य, खद्यान आपूर्ति आदि का लाभ उठा पायेगें जिससे क्षेत्र में पर्यटक को बढ़ावा मिलेगा। जिससे की स्थानीय लोगो के रोजगार उत्पन्न होगे एव साथ ही राज्य की आर्थिक स्थिति में वृद्धि की पूर्ण सम्भावनायें होगी। चूकिं यह मार्ग गोविन्द वन्यजीव विहार/राष्ट्रीय पार्क के अन्तर्गत पडता है जिस हेतु NBWL द्वारा भी मार्ग की उपयेगिता एंव वन्य जीव सुरक्षा के द्विष्टिगत अपनो रिपोर्ट मे दिये गये सुझावो का अनुपालन भी किया गया है।

अतः इस प्रकार कार्य स्थल की आवश्यकतानुसार एव भू–वैज्ञानिक सुझावों के आधार पर स्वीकृत समरेखण में वैकल्पिक समरेखण की तुलना में कम से कम वनभूमि क्षेत्रफल प्रभावित हो रही है एवं स्वीकृत समरेखण के अतिरिक्त कार्यस्थल पर अन्य कोई भूमि मोटरमार्ग निर्माण हेतु उपलब्ध नही है, जिस हेतु मोटर मार्गनिर्माण के लिए वनभूमि का क्षेत्र प्रस्तावित किया गया है।

अधिशासी अभियन्ता
पी0एम0जी0एस0वाई0, लो0नि0वि0,
पुरोला, उत्तरकाशी।

Executive Engineer
P.M.G.S.Y., P.I.U., Purola
(Uttarkashi)

उपनिदेशक
गोविन्द वन्य जीव विहार/रा0पा0
पुरोला, उत्तरकाशी

उपनिदेशक
गोविन्द वन्यजीव विहार/राष्ट्रीय पार्क
पुरोला (उत्तरकाशी)